अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 27.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन त त्त्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 15

(क) तीर्थसेवा 'शब्द' का क्या तात्पर्य है?

(ख) दुरात्मा, महात्मा व परमात्मा कौन से भाव हैं?

(ग) हरीतकी के रस का स्वाद कैसा होता है?

(घ) आगमिक श्रुत किसे कहते हैं?

(ड़) 'प्रमेयत्व' से क्या तात्पर्य है?

(च) जीव शुद्ध की उत्पत्ति के स्थान के नाम लिखें।

(छ) शरीर संरचना की प्रकृष्टता या निकृष्टता का कारण कौन सा कर्म है?

(ज) भवोपग्राही कर्म के नाम लिखें।

(झ) उदीरणा किसे कहते हैं?

(ञ) छह कर्मों का बन्धन कौन से गुणस्थान में होता है?

(ट) प्रादोषिकी क्रिया किसे कहते हैं?

(ठ) ओघ संज्ञा को परिभाषित करें।

(ड) जीव उत्पत्ति के समय कौन सा आहार लेता है?

(ढ) बाल मरण किसे कहते हैं?

(ण) समचतुरस्त्र संस्थान किसके होता है?

(त) भिक्षाचरी का दूसरा नाम क्या है?

(थ) मिथ्यादोषारोपण से बन्धने वाले कर्म को क्या कहते हैं?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) चारित्र के पांच प्रकार का वर्णन करें।

(ख) अनन्तानुबन्धी चतुष्क व संज्वलन चतुष्क का वर्णन करें।

(ग) औपशमिक व क्षायिक भाव का वर्णन करें।

(घ) संस्थान के प्रकार का वर्णन करें।

(ड़) कर्म के कार्य का वर्णन करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 20

(क) श्रमण धर्म के प्रकार का विस्तृत वर्णन करें।

(ख) ज्ञान के आठ आचार का वर्णन करें।

(ग) व्यावहारिक मिथ्यात्व के प्रकारों को विस्तार से लिखें।

(घ) साकार उपयोग का वर्णन करें।

(ड़) शरीर के प्रकारों का विस्तृत वर्णन करें।

तत्त्वचर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में दें– 10

(क) अजीव, पुण्य, पाप, बन्ध आज्ञा में या आज्ञा के बाहर?

(ख) पुद्गलास्तिकाय रूपी या अरूपी।

(ग) अठारह पापों के सेवन का त्याग छह में कौन, नौ में कौन?

(घ) दया छह में कौन, नौ में कौन?

(ड़) दिन रात छह में कौन, नौ में कौन?

(च) पुण्य या पुण्यवान एक या दो?

(छ) कर्मों में पुण्य कितने? पाप कितने?

(ज) सामायिक रूपी या अरूपी?

(झ) सावद्य पुण्य या पाप?

(ञ) नौ तत्त्व में सावद्य कितने, निरवद्य कितने?

(ट) छह द्रव्य में सप्रदेशी कितने? अप्रदेशी कितने?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) नौ तत्त्व पर चोर-साहूकार।

(ख) कर्म पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व।

(ग) एकेन्द्रिय तथा द्वीन्द्रिय आदि की पृच्छा।

(घ) सावद्य पर चर्चा।

(ड़) धर्म तथा अधर्म पर चर्चा।

(च) नौ तत्त्व पर हेय, ज्ञेय, उपादेय।

गीतिका–20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) दुर्गति का प्रमाण पत्र क्या है?

(ख) भगवान ने सूत्र में किसको दुर्लभ बताया है?

(ग) संक्षेपनय की दृष्टि से द्रव्य कितने व कौन से?

(घ) नौ तत्त्वों को सही समझ लेने पर क्या छूट जाता है?

(ड़) किसको प्रवचन का सार रूचिकर लगता है?

(च) कहां पर धर्म का अंश भी नहीं है?

प्र. 7 कोई तीन पद्य अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) पाप धर्म.....करै लड़ाई रे।

(ख) सरधा दुर्लभ.....जमारो पाई रे।

(ग) तीर्थंकर चक्रवर्त नीं.....जाण।

(घ) सर सर कमल.....कोय।

(ड़) जीव न जाणै.....घणी नहराई रे।